



Mr.Akash Tiwari



Ms.Divya Pandey

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120392701

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
16/11/1999 :	जन्म तिथि	: 03/11/2002
मंगलवार :	दिन	: रविवार
घंटे 23:40:00 :	जन्म समय	: 21:30:00 घंटे
घटी 42:09:57 :	जन्म समय(घटी)	: 37:01:47 घटी
India :	देश	: India
Boisar :	स्थान	: Boisar
19:48:00 उत्तर :	अक्षांश	: 19:48:00 उत्तर
72:45:00 पूर्व :	रेखांश	: 72:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:39:00 :	स्थानिक संस्कार	: -00:39:00 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:48:01 :	सूर्योदय	: 06:41:17
17:59:24 :	सूर्यास्त	: 18:03:50
23:51:04 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:53:31
कर्क :	लग्न	: मिथुन
चन्द्र :	लग्न लग्नाधिपति	: बुध
कुम्भ :	राशि	: तुला
शनि :	राशि-स्वामी	: शुक्र
धनिष्ठा :	नक्षत्र	: चित्रा
मंगल :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
4 :	चरण	: 3
ध्रुव :	योग	: प्रीति
बव :	करण	: शकुनि
गे-गेंदा :	जन्म नामाक्षर	: रा-राखी
वृश्चिक :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक
शूद्र :	वर्ण	: शूद्र
मानव :	वश्य	: मानव
सिंह :	योनि	: व्याघ्र
राक्षस :	गण	: राक्षस
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
मार्जार :	वर्ग	: मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
मंगल 1वर्ष 1मा 24दि
गुरु

11/01/2019

11/01/2035

गुरु	28/02/2021
शनि	11/09/2023
बुध	17/12/2025
केतु	23/11/2026
शुक्र	24/07/2029
सूर्य	12/05/2030
चन्द्र	11/09/2031
मंगल	17/08/2032
राहु	11/01/2035

अंश

20:26:29
00:05:08
04:28:23
28:53:32
28:07:20
03:04:01
14:24:41
19:02:02
12:51:04
12:51:04
19:15:59
08:03:08
15:51:52

राशि

कर्क
वृश्चि
कुंभ
धनु
तुला
मेष
कन्या
मेष
कर्क
मक
मक
मक
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि
राहु
केतु
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

मिथु
तुला
तुला
कन्या
तुला
कर्क
तुला
मिथु
वृष
वृश्चि
कुंभ
मक
वृश्चि

अंश

10:10:58
17:09:53
00:18:33
18:11:58
10:37:34
22:42:49
12:05:31
04:42:23
14:59:57
14:59:57
01:01:00
14:21:34
22:14:24

विंशोत्तरी
मंगल 3वर्ष 4मा 1दि
गुरु

06/03/2024

06/03/2040

गुरु	24/04/2026
शनि	04/11/2028
बुध	10/02/2031
केतु	17/01/2032
शुक्र	17/09/2034
सूर्य	06/07/2035
चन्द्र	04/11/2036
मंगल	11/10/2037
राहु	06/03/2040

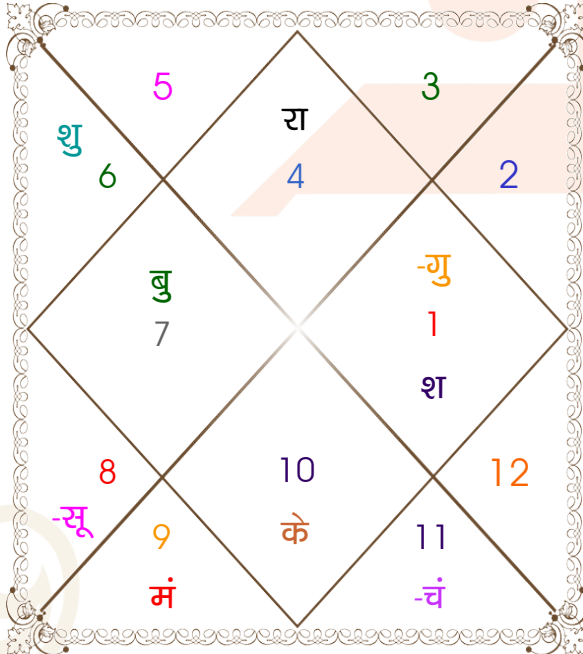
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

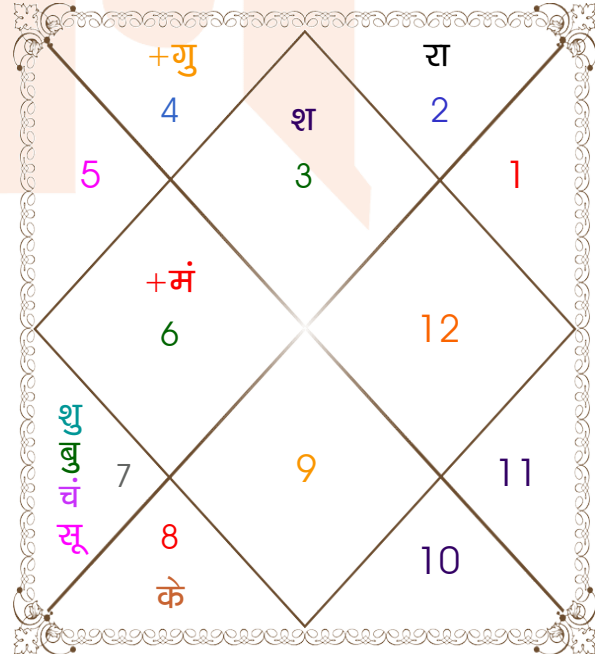
राहु : स्पष्ट

23:51:04 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:31

लग्न-चलित



लग्न-चलित



Astro.Pi.Premshankar Sharma

Faliti Jyotish & Remedies

Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501

Mo.No.+91 9721 1234 95

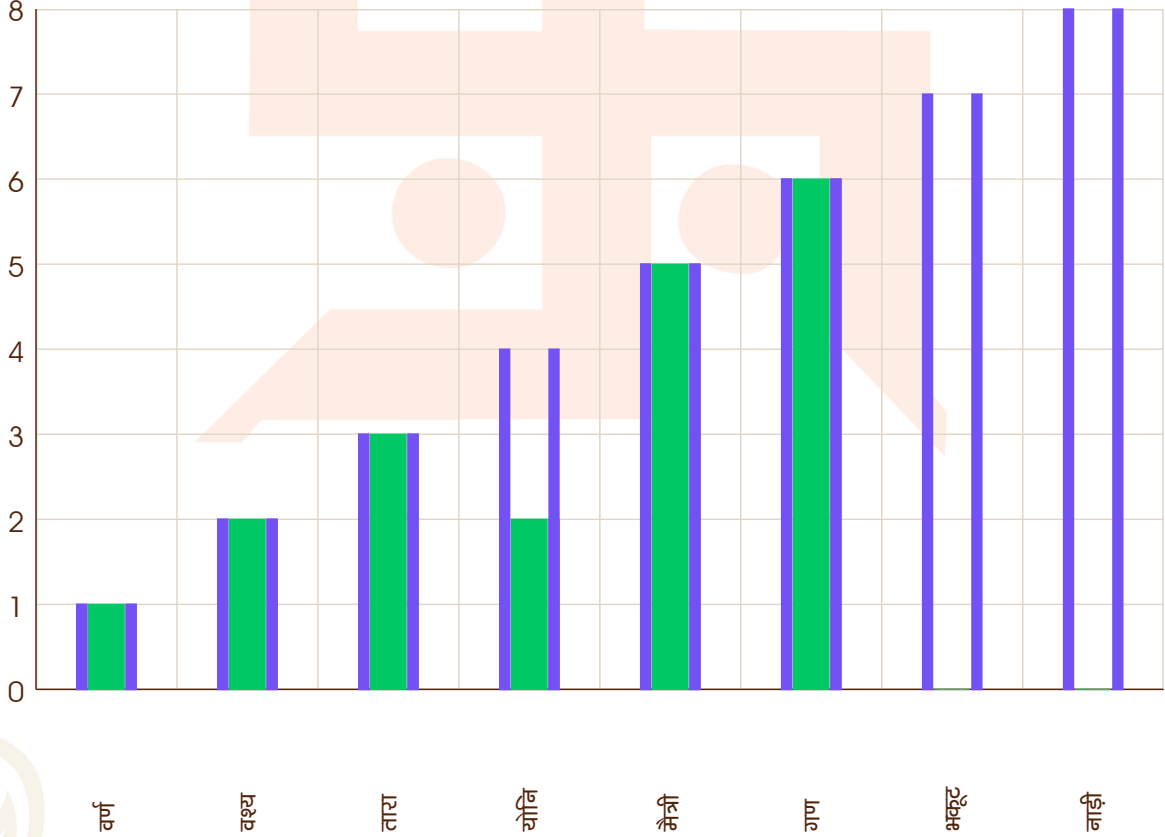
Mo.No.+91 9823 0403 89

astroptremshankarsharma@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

कुल : 19 / 36



Astro.Pt.Premshankar Sharma

Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

डतण्णी ज्पूतप का वर्ग मार्जार है तथा Ms.Divya Pandey का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्णी ज्पूतप और Ms.Divya Pandey का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्णी ज्पूतप मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms.Divya Pandey मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्णी ज्पूतप की कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्णी ज्पूतप तथा Ms.Divya Pandey में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण्णी ज्पूतप का वर्ण शूद्र है तथा Ms.Divya Pandey का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

डतण्णी ज्पूतप का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं Ms.Divya Pandey का वश्य भी द्विपद अर्थात् मनुष्य है अर्थात् दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। डतण्णी ज्पूतप एवं Ms.Divya Pandey दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

डतण्णी ज्पूतप की तारा जन्म तथा Ms.Divya Pandey की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

डतण्णी ज्पूतप की योनि सिंह है तथा Ms.Divya Pandey की योनि व्याघ्र है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो

सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरान्त ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण्णी ज्पूतप एवं Ms.Divya Pandey दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि डतण्णी ज्पूतप एवं Ms.Divya Pandey के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण डतण्णी ज्पूतप एवं Ms.Divya Pandey जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

डतण्णी ज्पूतप का गण राक्षस है तथा Ms.Divya Pandey का गण भी राक्षस है। अर्थात् Ms.Divya Pandey का गण डतण्णी ज्पूतप के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण डतण्णी ज्पूतप एवं Ms.Divya Pandey दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

डतण्णी ज्पूतप से Ms.Divya Pandey की राशि नवम भाव में स्थित है तथा Ms.Divya Pandey से डतण्णी ज्पूतप की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। डतण्णी ज्पूतप की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

डतण णी ज्पूंतप की नाड़ी मध्य है तथा Ms.Divya Pandey की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में डतण णी ज्पूंतप एवं Ms.Divya Pandey का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।



मेलापक फलित

स्वभाव

डतण्णी ज्पूंतप की जन्मराशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा Ms.Divya Pandey की राशि भी वायुतत्व युक्त तुला राशि है। अतः इसके प्रभाव से इनमें स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी तथा दाम्पत्य संबंधों में मधुरता रहेगी। अतः मिलान उत्तम रहेगा।

डतण्णी ज्पूंतप की राशि का स्वामी शनि तथा Ms.Divya Pandey की राशि का स्वामी शुक परस्पर मित्र हैं। अतः इसके प्रभाव से डतण्णी ज्पूंतप और Ms.Divya Pandey के संबंधों में घनिष्टता रहेगी तथा प्रेम सहानुभूति एवं समर्पण का भाव भी विद्यमान होगा। सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा एक सच्चे मित्र की भांति डतण्णी ज्पूंतप और Ms.Divya Pandey परस्पर गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। अतः आत्मिक लगाव में वृद्धि होगी तथा अपनी ओर से किसी को भी कोई कष्ट नहीं होने देंगे जिससे इनका वैवाहिक जीवन सुख एवं शांतिपूर्वक व्यतीत होगा।

डतण्णी ज्पूंतप और Ms.Divya Pandey की राशियां परस्पर नवम तथा पंचम भाव में स्थित हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से यदा कदा इनके मध्य परस्पर अहंकार तथा श्रेष्ठता की भावना उत्पन्न होगी जिससे संबंधों में विवाद तथा तनाव की स्थितियां होंगी तथा एक दूसरे के प्रति उपेक्षा का भाव उत्पन्न होगा। अतः डतण्णी ज्पूंतप और Ms.Divya Pandey उपरोक्त प्रवृत्तियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करें तथा अहंकारी प्रवृत्ति का त्याग कर सकें तो दोनों का दाम्पत्य जीवन सुख एवं शान्ति से व्यतीत हो सकता है।

डतण्णी ज्पूंतप और Ms.Divya Pandey दोनों का वश्य मानव है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरुचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं संतुष्ट रखने में समर्थ रहेंगे जिससे पारिवारिक शान्ति बनी रहेगी।

डतण्णी ज्पूंतप और Ms.Divya Pandey दोनों का वर्ण शूद्र है अतः इनकी कार्य क्षमता समान होगी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से पूर्ण करेंगे। अतः कार्य क्षेत्र में उन्नति मार्ग प्रशस्त रहेंगे।

धन

डतण्णी ज्पूंतप और Ms.Divya Pandey का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से डतण्णी ज्पूंतप और Ms.Divya Pandey सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

डतण णी ज्पूतप को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे। इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

डतण णी ज्पूतप और Ms.Divya Pandey दोनों मध्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं अतः नाड़ी दोष से ये प्रभावित होंगे। इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक दुर्बलता का आभास होगा। साथ ही डतण णी ज्पूतप के लिए मंगल भी अशुभ रहेगा जिससे वे रक्त या पित्त संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबंधी परेशानी भी होगी इसके अतिरिक्त धातु या गुप्त रोगों की संभावना भी हो सकती है। इससे परस्पर संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा अतः मिलान के लिए यत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि शुभ फलों की प्राप्ति के लिए डतण णी ज्पूतप को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का उपवास करना श्रेष्ठ सिद्ध हो सकता है।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण णी ज्पूतप और Ms.Divya Pandey का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण णी ज्पूतप और Ms.Divya Pandey के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.Divya Pandey के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.Divya Pandey को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.Divya Pandey को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण णी ज्पूतप और Ms.Divya Pandey सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमत्ता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण णी ज्पूतप और Ms.Divya Pandey का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.Divya Pandey के अपनी ससुराल के लोगों से संबंधों में वांछित मधुरता रहेगी

परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Ms.Divya Pandey धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Ms.Divya Pandey के संबंध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Ms.Divya Pandey का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Ms.Divya Pandey से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

डतण्णी ज्पूतप तथा उनकी सास के आपसी संबंधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबंधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में डतण्णी ज्पूतप के संबंध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह डतण्णी ज्पूतप को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही डतण्णी ज्पूतप के संबंध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण डतण्णी ज्पूतप के प्रति अनुकूल ही रहेगा।